बाजरा और केला बिहार के अगले सुपर फूड

- गोदाम बनाने को दो करोड़ रुपये ले सकते 75 प्रतिशत सब्सिडी के साथ
- कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर पर देना होगा ध्यान

जागरण संवाददाता, पटना : हर क्षेत्र विशेष में कुछ विशेष कृषि उत्पाद होते हैं। इनका निर्यात किया जा सकता है। मखाना के बाद बिहार में बाजरा और केला अगले सुपर फूड हैं। एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथारिटी -एपीडा- के सहायक महाप्रबंधक डाक्टर सी बी सिंह ने उक्त बातें मंगलवार को होटल पनाश में कहीं।

पीएचडी चैंबर आफ़ कामर्स एंड इंडस्ट्री के बिहार कार्यालय की ओर से एपीडा और एचडीएफसी बैंक के सहयोग से आयोजित एग्री एंड फूड प्रोसेसर कांक्लेव में उन्होंने कहा कि बिहार से कृषि उत्पादों के निर्यात की काफी संभावनाएं हैं। इनके निर्यात के लिए हमें इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देना होगा। मार्ग सुगम बनाना होगा। पैक हाउस के लिए दो करोड़ रुपये मिलते हैं। इसपर 75 प्रतिशत सब्सिडी है।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट के निदेशक प्रोफेसर डाक्टर राणा सिंह ने कहा कि पूरी तरह से डेटा पर भरोसा करने के बजाय अपना खुद का शोध करना बेहतर साबित होता है। इन्वेस्ट इंडिया के ईशदीप सिंह ने बिहार के एक जिले एक उत्पाद पर प्रस्तुति दी । नाबार्ड के बैद्यनाथ सिंह ने कहा कि संघ बनाकर किसान अपने उत्पादों को बाजार दे सकते हैं। इरगास बिज़नेस सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के सप्लाई चेन के प्रमुख युगल किशोर मिश्रा ने कहा कि उत्पादन का 40 प्रतिशत अनाज रखरखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है। इसका समुचित प्रबंधन जरूरी है।

फूड प्रोसेसिंग कांक्लेव 2022 का उद्घाटन करते डा. सीबी सिंह, सीआइएमपी निदेशक डा. राणा सिंह ,सत्यजीत सिंह एवं अन्य। ● जागरण

Danik Jagran ! Page No - 08 ! Date - 24-08-2022 !

सीआईएमपी ने एपीइडीए की मेजबानी की

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने अपनी लीडरशिप व्याख्यान श्रृंखला में मंगलवार को सी.बी. सिंह, एजीएम, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीइडीए) की मेजबानी की। अतिथि वक्ता ने भारतीय अर्थव्यवस्था और कृषि पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने जा रही है और इस प्रयास में एमबीए स्नातक इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्पीकर ने दर्शकों को कोविड-19 के बाद खाद्य प्रसंस्करण प्रणाली में बढ़ती मांग के बारे में भी अवगत कराया लेकिन हमारे पास पैकेजिंग और विनिर्माण के आभाव के बारे में भी जिक्र किया है।

श्री सिंह ने छात्रों को अपने संगठन के बारे में भी जानकारी दी क्योंकि एपीइडीए का मुख्य उद्देश्य जैविक उत्पाद बनाना है। एपीइडीए बुनियादी ढांचे और किसानों की जरूरतों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसकी शुरुआत में सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने अतिथि का स्वागत किया। नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला में स्टाफ के साथ संकाय सदस्य भी मौजूद थे।

Aaj ! Page No - 04 ! Date - 24-08-2022

सीआईएमपी में व्याख्यान : खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने पर जोर

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट संस्थान (सीआईएमपी) ने अपनी लीडरशिप व्याख्यान श्रृंखला में 23 अगस्त को सीबी सिंह, एजीएम कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मेजबानी की। अतिथि वक्ता ने भारतीय अर्थव्यवस्था और कृषि पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने जा रही है।

इस प्रयास में एमबीए स्नातक इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वक्ता ने दर्शकों को कोविड-19 के बाद खाद्य प्रसंस्करण प्रणाली में बढ़ती मांग के बारे में भी अवगत कराया, लेकिन हमारे पास पैकेजिंग और विनिर्माण के आभाव के बारे में भी जिक्र किया है। श्री सिंह ने छात्रों को अपने संगठन के बारे में भी जानकारी दी क्योंकि एपीईडीए का मुख्य उद्देश्य जैविक उत्पाद बनाना है। एपीईडीए बुनियादी ढांचे और किसानों की जरूरतों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। शुरुआत में सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने अतिथि का स्वागत किया। नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला में स्टाफ के साथ संकाय सदस्य भी मौजूद थे।

किसानों की जरूरतों पर भी ध्यान आकृष्ट कराया गया

Rashtriya Sahara ! Page No- 05 ! Date - 24-08-2022 !